



धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित

सबकी बात सबके साथ

न्यूज़ डायरी

पाकुड़ में सामूहिक दुर्घटना
पांच में से दो आरोपी धारये
पाकुड़। हिरण्यपुर थाना क्षेत्र में
पांच युवकों ने शनिवार रात एक
आदिवासी महिला के साथ
सामूहिक दुर्घटना किया। पीड़ित ने
रविवार दोपहर हिरण्यपुर थाने
पहुंचकर लिखित शिकायत की।
पुलिस ने दो आरोपियों को
गिरफ्तार कर लिया है। अपनी
लिखित शिकायत में पठत के साथ
काम से बाहर जा रही थी। इसी
दौरान पांच युवक आ घमके और
उसे जबरन पकड़ कर ले गये।
साथ ही उसके साथ बारी-बारी
से दुर्घटना किया। पाकुड़ एसपी
प्रभात कुमार ने गंगरप की पुष्टि
की है। पीड़ित ने रविवार का
पुलिस को जानकारी दी है।
उन्होंने बताया कि पुलिस ने
त्वरित कार्रवाई करते हुए दो
आरोपियों को गिरफ्तार कर
लिया है। हिरण्यपुर थाने में
एफआईआर दर्ज की गयी है।

सुक्रमा में 4 इनामी नवसली

समेत आठ ने किया सर्टिफिकेशन। नवसल विरोधी अभियान के दौरान बस्तर में तेजी से
माओवादियों के संघर्ष करने की
संख्या बढ़ती जा रही है। रविवार को चार इनामी नवसलियों समेत
आठ माओवादियों ने सुरक्षबलों
के सामने आत्म समर्पण कर
दिया। समर्पण करने वालों में चार
हार्डकोर माओवादी भी शामिल हैं। सभी नवसली सरकार की 'नई सुरुह, नई शुरुआत' योजना से
प्रभावित होकर समाज की मुख्यधारा से जुड़े। सरकार की अपील का अब असर दिखाई देने
लगा है।

मनीष रंजन से आज इडी

फिर करेगी पृथिवी
रांची। टैटर कमीशन घोटाले की
जांच कर रही इडी अब फिर
सोमवार को मनीष रंजन से
पृथिवी करेगी। घोटाले की जांच
के दौरान इसी महीने 47 मई को
मंत्री आलमगीर आलम के पीएस
रहे सजीव लाल और उसके नौकर
जहांगीर के पैरों से इडी को कई
दस्तावेज़ के पैरों से इडी को कई
दस्तावेज़ की थी। इडी इसमें
कमीशन की गारिंग किन-किन
लोगों को जारी थी, इसका पूरा
विवरण जौजू है। इडी ने इस
सबवध में भी सवाल-जवाब किये
लेकिन मनीष रंजन ने इस सभी
सवालों पर अनिष्टित जारी रखा है।

नीतीश दिल्ली पहुंचे, कई
नेताओं से करेंगे मुलाकात
पट्टना। बिहार के सीएम और
एनडीए के सहयोगी जदयू के
अध्यक्ष नीतीश कुमार रविवार
को दिल्ली पहुंच गये। वहाँ वह
भाजपा सहित राजग के अन्य
नेताओं से मुलाकात करेंगे। अभी
कुछ दिनों तक वह दिल्ली में ही
रह सकते हैं। रविवार को
एपिजिट पोल के नेताओं में
एनडीए को प्रबंध बहुमत मिलता
दिख रहा है। पिछले डेढ़ माह में
सीएम नीतीश चुनाव प्रवारार में
लगे हुए थे। इस दौरान उनकी
वीर्यत भी बिंदू गयी थी।

मौसम पूर्वानुमान : रविवार को

मौसम विभाग की ओर से जारी

होने वाला आवास देंगे।

केन्द्र की तरह मुर्मुखाना नहीं
हम इंसानों वाला आवास देंगे।

तीसरी आंख

केन्द्र की तरह मुर्मुखाना नहीं
हम इंसानों वाला आवास देंगे।

आंखों पर राजीव गांधी की जांच

केन्द्र की तरह मुर्मुखाना नहीं
हम इंसानों वाला आवास देंगे।

आंखों पर राजीव गांधी की जांच

केन्द्र की तरह मुर्मुखाना नहीं
हम इंसानों वाला आवास देंगे।

आंखों पर राजीव गांधी की जांच

केन्द्र की तरह मुर्मुखाना नहीं
हम इंसानों वाला आवास देंगे।

आंखों पर राजीव गांधी की जांच

केन्द्र की तरह मुर्मुखाना नहीं
हम इंसानों वाला आवास देंगे।

आंखों पर राजीव गांधी की जांच

केन्द्र की तरह मुर्मुखाना नहीं
हम इंसानों वाला आवास देंगे।

आंखों पर राजीव गांधी की जांच

केन्द्र की तरह मुर्मुखाना नहीं
हम इंसानों वाला आवास देंगे।

आंखों पर राजीव गांधी की जांच

केन्द्र की तरह मुर्मुखाना नहीं
हम इंसानों वाला आवास देंगे।

आंखों पर राजीव गांधी की जांच

केन्द्र की तरह मुर्मुखाना नहीं
हम इंसानों वाला आवास देंगे।

आंखों पर राजीव गांधी की जांच

केन्द्र की तरह मुर्मुखाना नहीं
हम इंसानों वाला आवास देंगे।

आंखों पर राजीव गांधी की जांच

केन्द्र की तरह मुर्मुखाना नहीं
हम इंसानों वाला आवास देंगे।

आंखों पर राजीव गांधी की जांच

केन्द्र की तरह मुर्मुखाना नहीं
हम इंसानों वाला आवास देंगे।

आंखों पर राजीव गांधी की जांच

केन्द्र की तरह मुर्मुखाना नहीं
हम इंसानों वाला आवास देंगे।

आंखों पर राजीव गांधी की जांच

केन्द्र की तरह मुर्मुखाना नहीं
हम इंसानों वाला आवास देंगे।

आंखों पर राजीव गांधी की जांच

केन्द्र की तरह मुर्मुखाना नहीं
हम इंसानों वाला आवास देंगे।

आंखों पर राजीव गांधी की जांच

केन्द्र की तरह मुर्मुखाना नहीं
हम इंसानों वाला आवास देंगे।

आंखों पर राजीव गांधी की जांच

केन्द्र की तरह मुर्मुखाना नहीं
हम इंसानों वाला आवास देंगे।

आंखों पर राजीव गांधी की जांच

केन्द्र की तरह मुर्मुखाना नहीं
हम इंसानों वाला आवास देंगे।

आंखों पर राजीव गांधी की जांच

केन्द्र की तरह मुर्मुखाना नहीं
हम इंसानों वाला आवास देंगे।

आंखों पर राजीव गांधी की जांच

केन्द्र की तरह मुर्मुखाना नहीं
हम इंसानों वाला आवास देंगे।

आंखों पर राजीव गांधी की जांच

केन्द्र की तरह मुर्मुखाना नहीं
हम इंसानों वाला आवास देंगे।

आंखों पर राजीव गांधी की जांच

केन्द्र की तरह मुर्मुखाना नहीं
हम इंसानों वाला आवास देंगे।

आंखों पर राजीव गांधी की जांच

केन्द्र की तरह मुर्मुखाना नहीं
हम इंसानों वाला आवास देंगे।

आंखों पर राजीव गांधी की जांच

केन्द्र की तरह मुर्मुखाना नहीं
हम इंसानों वाला आवास देंगे।

आंखों पर राजीव गांधी की जांच

केन्द्र की तरह मुर्मुखाना नहीं
हम इंसानों वाला आवास देंगे।

आंखों पर राजीव गांधी की जांच

केन्द्र की तरह मुर्मुखाना नहीं
हम इंसानों वाला आवास देंगे।

आंखों पर राजीव गांधी की जांच

केन्द्र की तरह मुर्मुखाना नहीं
हम इंसानों वाला आवास देंगे।

आंखों पर राजीव गांधी की जांच

केन्द्र की तरह मुर्मुखाना नहीं
हम इंसानों वाला आवास देंगे।

आंखों पर राजीव गांधी की जांच

केन्द्र की तरह मुर्मुखाना नहीं
हम इंसानों वाला आवास देंगे।

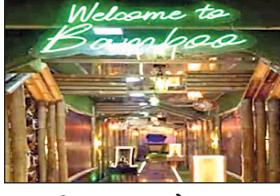
आंखों पर राजीव गांधी की जांच

केन्द्र की तरह मुर्मुखाना नहीं
हम इंसानों वाला आवास देंगे।

आंखों पर र

टूरिस्ट वीजा पर थाइलैंड की लड़कियों को नौकरी का ऑफर देकर जिसमपरोशी धंधे में उतारा, 14 गये जेल

खबर मन्त्र संवाददाता



रांची। रांची पुलिस ने लालपुर थाना क्षेत्र में स्पा सेंटर के नाम पर जिसमपरोशी का धंधा करनेवाले स्पा सेंटर के मालिक समेत 14 को जेल भेज दिया है। एसएसपी के निर्देश पर स्टीटी डीएसपी के नेतृत्व में की गयी छापमारी में एक दर्जन से ज्यादा लड़के और लड़कियां मौके से पकड़ा गया। कई को आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा गया। जांच में पुलिस को वहां से कई आपत्तिजनक सामाजिक मिले। पुलिस ने जब वहां पर छापमारी की तो पाया कि वहां तीन विदेशी लड़कियां भी मौजूद थीं। उनसे जब पूछताह हुई तो कहा गया कि उन्हें ट्रूरिस्ट विजा पर नौकरी दिलाने के नाम पर भारत लाया गया था। बाद में उन्हें जिसमपरोशी के धंधे में

उतार दिया गया। उन्हें 20 हजार रुपये मासिक वेतन पर रखा गया था। पुलिस को सूचना मिली थी कि वहां मसाज सेंटर की आड़ में लंबे समय से सेव्स रैकेट का संचालन किया जा रहा है।

पुलिस ने इस मामले में स्पा सेंटर के मालिक समेत 14 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की है। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

लालपुर स्थित स्पा सेंटर में दिल्ली की ओर, पश्चिमी बागल की ओर और एक लोकल लड़की को भी पकड़ा गया है।

रजिस्टर में लिखा था मसाज कराने का रेट

कुवेर सिंह

रांची। रांची पुलिस लालपुर थाना क्षेत्र में स्पा सेंटर के नाम पर जिसमपरोशी का धंधा करनेवाले स्पा सेंटर के मालिक समेत 14 को जेल भेज दिया है। एसएसपी के निर्देश पर स्टीटी डीएसपी के नेतृत्व में की गयी छापमारी में एक दर्जन से ज्यादा लड़के और लड़कियां मौके से पकड़ा गया। कई को आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा गया। जांच में पुलिस को वहां से कई आपत्तिजनक सामाजिक मिले। पुलिस ने जब वहां पर छापमारी की तो पाया कि वहां तीन विदेशी लड़कियां भी मौजूद थीं। उनसे जब पूछताह हुई तो कहा गया कि उन्हें ट्रूरिस्ट विजा पर नौकरी दिलाने के नाम पर भारत लाया गया था। बाद में उन्हें जिसमपरोशी के धंधे में

मिला है, वह वर्ष 2022 का है। गौरव अग्रवाल दिल्ली के छत्तरपुर इलाके का रहनेवाला है।

ताकत बढ़ाने के लिए ग्राहकों को दिया जाता था शिलाजीत : स्पा सेंटर के मालिक गौरव अग्रवाल ग्राहकों को ताकत बढ़ाने के लिए शिलाजीत भी देता था। इसके लिए, गौरव अग्रवाल व्हाट्सप्प में ऑफर कर रहे थे और ऐप के जर्जेर ग्राहकों को बुलाता था और कोड वर्ड में ही कैसे मसाज करवाना है, देशी या विदेशी से, इन सब का जिक्र करता था।

व्या-व्या हुआ घटामपद : पुलिस ने स्पा सेंटर से बीयर और शराब की ओरले, 80 कॉन्डोम के पैकेट, एक लैपटॉप और 13 मोबाइल को लैकिन रिजिस्टर में जो तिथि अंकित

मिला है, वह वर्ष 2022 का है। गौरव अग्रवाल दिल्ली के छत्तरपुर इलाके का रहनेवाला है।

ताकत बढ़ाने के लिए ग्राहकों को दिया जाता था शिलाजीत : स्पा सेंटर के मालिक गौरव अग्रवाल ग्राहकों को ताकत बढ़ाने के लिए शिलाजीत भी देता था। इसके लिए, गौरव अग्रवाल व्हाट्सप्प में ऑफर कर रहे थे और ऐप के जर्जेर ग्राहकों को बुलाता था और कोड वर्ड में ही कैसे मसाज करवाना है, देशी या विदेशी से, इन सब का जिक्र करता था।

व्या-व्या हुआ घटामपद : पुलिस ने स्पा सेंटर से बीयर और शराब की ओरले, 80 कॉन्डोम के पैकेट, एक लैपटॉप और 13 मोबाइल को लैकिन रिजिस्टर में जो तिथि अंकित

नाबालिंग लड़की को प्यार के झासे में लेकर गलत काम करने वाला आरोपी गिरफ्तार

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सोशल मीडिया से नाबालिंग लड़की को प्यार के झासे में फँसाकर गलत काम करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। रेलवे पुलिस फोर्स की टीम ने गिरफ्तार को अमित दास के युवक को रांची स्टेन्डर पर हाथे भी एक से पकड़ा है। अमित दास नाबालिंग लड़की को सांसार मीडिया के जरिये फँसाकर उसके साथ गलत काम कर छोड़ देता था। अमित मूल रूप से ओडिशा के नवरापुर जिले के उम्रकोट थाना क्षेत्र स्थित अशोक

मार्ग रोड के वार्ड नंबर 3 का रहने वाला है। आरोपीएफ इंप्रेक्टर सह थाना प्रभारी दिग्जिज शर्मा ने इस बात की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अमित दास पहले भी एक नाबालिंग लड़की के साथ अव्याधी मामले में जेल जा चुका है। ओडिशा के जेल में कई रेलवे स्टेन्डर पर है, सूचना मिलते ही मंडल से रहने के बाद वह बाहर आरोपी को रांची स्टेन्डर के प्लेटफार्म नंबर 1 के पास पकड़ा है।

तीन नाबालिंग को अपनी हवास का बना चुका है शिलाजीत : अमित सोशल मीडिया पर नाबालिंग लड़की को फँसाता है, फिर अपने शैक्षण्य में जानकारी नहीं है, लैकिन रिजिस्टर में जो तिथि अंकित

मैं हूं इस एरिया का थानेदार... भारी वाहन रोककर करते थे अवैध वसूली

अकेले ही देते हैं कार्य को अंजाम, वर्दी पहनकर करते हैं वसूली

थानेदार ने दारोगा के खिलाफ डीएसपी को भेजी है रिपोर्ट

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सुखेदेवगढ़ थाना में पदस्थापित एक दारोगा खुद को थानेदार बता कर बालू ट्रक के चालकों से अवैध रूप से वसूली कर रहा है। उक्त दारोगा अकेले ही थाने से इन्स्टीटी के दौरान और आरोपी को निरीक्षक नियन्त्रित कर रहा है। इसके बाद रांची स्टेन्डर पर तालाशी ली गयी और आरोपी को नाबालिंग लड़की के साथ एरिया के आड़-आठ वर्ड के 22 पैकेट पाए गए हैं।

पुलिस ने बताया कि ये लोग उड़ीसा के बालंगों से गांजा रिंग के साथ प्राप्तिकर्ता देवी, चंपारण के भौता थाना क्षेत्र के सत कुमार शामिल हैं। इन सभी लोगों के पास गांजा के आठ-आठ के के 22 पैकेट पाए गए हैं।

पुलिस ने बताया कि ये लोग उड़ीसा के बालंगों से गांजा रिंग के साथ प्राप्तिकर्ता देवी, चंपारण के भौता थाना क्षेत्र के सत कुमार शामिल हैं। इन सभी लोगों के पास गांजा के आठ-आठ के के 22 पैकेट पाए गए हैं।

पुलिस ने बताया कि ये लोग उड़ीसा के बालंगों से गांजा रिंग के साथ प्राप्तिकर्ता देवी, चंपारण के भौता थाना क्षेत्र के सत कुमार शामिल हैं। इन सभी लोगों के पास गांजा के आठ-आठ के के 22 पैकेट पाए गए हैं।

पुलिस ने बताया कि ये लोग उड़ीसा के बालंगों से गांजा रिंग के साथ प्राप्तिकर्ता देवी, चंपारण के भौता थाना क्षेत्र के सत कुमार शामिल हैं। इन सभी लोगों के पास गांजा के आठ-आठ के के 22 पैकेट पाए गए हैं।

पुलिस ने बताया कि ये लोग उड़ीसा के बालंगों से गांजा रिंग के साथ प्राप्तिकर्ता देवी, चंपारण के भौता थाना क्षेत्र के सत कुमार शामिल हैं। इन सभी लोगों के पास गांजा के आठ-आठ के के 22 पैकेट पाए गए हैं।

पुलिस ने बताया कि ये लोग उड़ीसा के बालंगों से गांजा रिंग के साथ प्राप्तिकर्ता देवी, चंपारण के भौता थाना क्षेत्र के सत कुमार शामिल हैं। इन सभी लोगों के पास गांजा के आठ-आठ के के 22 पैकेट पाए गए हैं।

पुलिस ने बताया कि ये लोग उड़ीसा के बालंगों से गांजा रिंग के साथ प्राप्तिकर्ता देवी, चंपारण के भौता थाना क्षेत्र के सत कुमार शामिल हैं। इन सभी लोगों के पास गांजा के आठ-आठ के के 22 पैकेट पाए गए हैं।

पुलिस ने बताया कि ये लोग उड़ीसा के बालंगों से गांजा रिंग के साथ प्राप्तिकर्ता देवी, चंपारण के भौता थाना क्षेत्र के सत कुमार शामिल हैं। इन सभी लोगों के पास गांजा के आठ-आठ के के 22 पैकेट पाए गए हैं।

पुलिस ने बताया कि ये लोग उड़ीसा के बालंगों से गांजा रिंग के साथ प्राप्तिकर्ता देवी, चंपारण के भौता थाना क्षेत्र के सत कुमार शामिल हैं। इन सभी लोगों के पास गांजा के आठ-आठ के के 22 पैकेट पाए गए हैं।

पुलिस ने बताया कि ये लोग उड़ीसा के बालंगों से गांजा रिंग के साथ प्राप्तिकर्ता देवी, चंपारण के भौता थाना क्षेत्र के सत कुमार शामिल हैं। इन सभी लोगों के पास गांजा के आठ-आठ के के 22 पैकेट पाए गए हैं।

पुलिस ने बताया कि ये लोग उड़ीसा के बालंगों से गांजा रिंग के साथ प्राप्तिकर्ता देवी, चंपारण के भौता थाना क्षेत्र के सत कुमार शामिल हैं। इन सभी लोगों के पास गांजा के आठ-आठ के के 22 पैकेट पाए गए हैं।

पुलिस ने बताया कि ये लोग उड़ीसा के बालंगों से गांजा रिंग के साथ प्राप्तिकर्ता देवी, चंपारण के भौता थाना क्षेत्र के सत कुमार शामिल हैं। इन सभी लोगों के पास गांजा के आठ-आठ के के 22 पैकेट पाए गए हैं।

पुलिस ने

हमें भारत के विकास को वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखना होगा: नरेंद्र मोदी

मेरे प्यारे देशवासियों,

लोकतन्त्र की जननी में लोकतन्त्र के सबसे बड़े महापर्व का एक पड़ाव आज 1 जून को पूरा हो रहा है। तिन दिन तक कन्याकुमारी में अध्यात्मिक यात्रा के बाद, मैं अपनी बढ़िली को लिए हवाइ जहाज में आकर बैठा हूं...कासी और अनेक सीटों पर मतदान चल ही रहा है। बित्तने सारे अनुभव हैं, बित्तने सारी अनुभूतियां हैं...मैं एक असीम ऊर्जा का प्रवाह स्वर्व में महसूस कर रहा हूं।

वार्कइं, 24 के इस चुनाव में, कितने ही सुखद संयोग बने हैं। अमृतकाल के इस प्रथम लोकसभा चुनाव में मैंने प्रचार अभियान 1857 के प्रथम स्वतन्त्रता संग्रह की प्रेरणाशूली मेरठ से शुरू किया। माँ भारती की परिक्रमा करते हुए इस चुनाव की मेरी अखिरी सभा पंचाव के होशवालीमें बैठने का अवसर मिला। उन शुरुआती पलों में चुनाव का कोलाहल मन-मस्तिष्क में फूंज रहा था। ऐतिहायियों में, रोड शो में देखे हुए अनगिनत चेहरे मेरी आंखों के सामने आ रहे थे। माताओं-बहनों-बेटियों के असीम प्रेम का चौं चार, उनका आशीर्वाद...उनकी आंखों में लिए वो विश्वास, वो दुलार...मैं सब कुछ आत्मसात कर रहा था। मेरी आंखें नम हो रही थीं...मैं शून्यता में जा रहा था, साधा में प्रवेश कर रहा था।



भारत के राष्ट्र होने और देश की एकता पर संदेह करते हैं, उन्हें कन्याकुमारी की ये धरती एकता का अभियंत संदेह है।

कन्याकुमारी का ये स्थान हमेशा से मेरे मन के अल्पतं

समाई एकात्मकता, बननेस का निरंतर ऐहसास कराया। ऐसा लग रहा था जैसे दशकों पहले उमालय की गोद में किए गए चिंतन और अनुभव पुनर्जीवित हो रहे हैं।

साधियों,

कन्याकुमारी का ये स्थान हमेशा से मेरे मन के अल्पतं

पलों में चुनाव का कोलाहल मन-मस्तिष्क में फूंज रहा था। ऐतिहायियों में, रोड शो में देखे हुए अनगिनत चेहरे मेरी आंखों के सामने आ रहे थे। माताओं-बहनों-बेटियों के असीम प्रेम का चौं चार, उनका आशीर्वाद...उनकी आंखों में लिए वो विश्वास, वो दुलार...मैं सब कुछ आत्मसात कर रहा था। मेरी आंखें नम हो रही थीं...मैं शून्यता में जा रहा था, साधा में प्रवेश कर रहा था।



कुछ ही झण्डों में राजनीतिक वाद विवाद, वारपलटार...आरोपों के स्वर और शब्द, वह सब अपने आप शून्य में समाते चले गए। मेरे मन में विरक्ति का भाव और तीव्र हो गया...मेरा मन बाह्य जगत से पूरी तरह अलिप्त हो गया।

इन बड़े दायित्वों के बीच ऐसी साधना कठिन होती है, लेकिन कन्याकुमारी की भूमि और स्वामी विवेकानन्द की प्रेरणा ने इसे सहज बना दिया। मैं सांसद के तौर पर अपना चुनाव भी अपनी काशों के मतदाताओं के चरणों में छोड़कर यहाँ आया था।

मैं ईश्वर का भी आधारी हूं कि उन्हें मुझे जन्म से ये संस्कार दिये। मैं ये भी सोच रहा था कि स्वामी विवेकानन्द जो ने उस स्थान पर साधना के समय क्या अनुभव किया होगा! मेरी साधना का कुछ हिस्सा इसी तरह के विचार प्रवाह में बहा।

इस बड़े दायित्वों के बीच, शांति और नीतावाक के बीच, मेरे मन में निरंतर भारत के उज्जवल भवित्व के लिए, भारत के लक्ष्यों के लिए निरंतर विचार उमड़ रहे थे।

कन्याकुमारी संगमों के संगम की धरती है। हमारे देश में रन्धी-बसी हामरी साजी पहचान है। ये ही शक्तिपूर्ण हैं जहां माँ शक्ति ने कन्याकुमारी के रूप में अवतार लिया था। इस दिवियों छोर पर माँ शक्ति ने उन भगवान शिव के लिए तप्या और प्रतीक्षा की जो भारत के सबसे उत्तरी छोर के हिमालय पर विचार रहे थे।

कन्याकुमारी संगमों के संगम की धरती है। हमारे देश की परिवर्तनी अलग-अलग समुद्रों में जाकर मिलती हैं और यहाँ उन समुद्रों का संगम होता है। और यहाँ एक और यहाँ उन समुद्रों पर अवतार लिया जाता है।

यहाँ विवेकानन्द शिला स्मारक के साथ ही संत तिरुललूलूवर की विशाल प्रतिमा, गांधी मंडपम और कामाराज मणि मंडपम हैं। महान नायकों के विचारों की धरती है। इससे राष्ट्र निर्माण की धरती है।

यहाँ विवेकानन्द शिला स्मारक के साथ ही संत तिरुललूलूवर की विशाल प्रतिमा, गांधी मंडपम और कामाराज मणि मंडपम हैं। महान नायकों के विचारों की धरती है। इससे राष्ट्र निर्माण की धरती है।

यहाँ विवेकानन्द शिला स्मारक के साथ ही संत तिरुललूलूवर की विशाल प्रतिमा, गांधी मंडपम और कामाराज मणि मंडपम हैं। महान नायकों के विचारों की धरती है। इससे राष्ट्र निर्माण की धरती है।

यहाँ विवेकानन्द शिला स्मारक के साथ ही संत तिरुललूलूवर की विशाल प्रतिमा, गांधी मंडपम और कामाराज मणि मंडपम हैं। महान नायकों के विचारों की धरती है। इससे राष्ट्र निर्माण की धरती है।

यहाँ विवेकानन्द शिला स्मारक के साथ ही संत तिरुललूलूवर की विशाल प्रतिमा, गांधी मंडपम और कामाराज मणि मंडपम हैं। महान नायकों के विचारों की धरती है। इससे राष्ट्र निर्माण की धरती है।

यहाँ विवेकानन्द शिला स्मारक के साथ ही संत तिरुललूलूवर की विशाल प्रतिमा, गांधी मंडपम और कामाराज मणि मंडपम हैं। महान नायकों के विचारों की धरती है। इससे राष्ट्र निर्माण की धरती है।

यहाँ विवेकानन्द शिला स्मारक के साथ ही संत तिरुललूलूवर की विशाल प्रतिमा, गांधी मंडपम और कामाराज मणि मंडपम हैं। महान नायकों के विचारों की धरती है। इससे राष्ट्र निर्माण की धरती है।

यहाँ विवेकानन्द शिला स्मारक के साथ ही संत तिरुललूलूवर की विशाल प्रतिमा, गांधी मंडपम और कामाराज मणि मंडपम हैं। महान नायकों के विचारों की धरती है। इससे राष्ट्र निर्माण की धरती है।

यहाँ विवेकानन्द शिला स्मारक के साथ ही संत तिरुललूलूवर की विशाल प्रतिमा, गांधी मंडपम और कामाराज मणि मंडपम हैं। महान नायकों के विचारों की धरती है। इससे राष्ट्र निर्माण की धरती है।

यहाँ विवेकानन्द शिला स्मारक के साथ ही संत तिरुललूलूवर की विशाल प्रतिमा, गांधी मंडपम और कामाराज मणि मंडपम हैं। महान नायकों के विचारों की धरती है। इससे राष्ट्र निर्माण की धरती है।

यहाँ विवेकानन्द शिला स्मारक के साथ ही संत तिरुललूलूवर की विशाल प्रतिमा, गांधी मंडपम और कामाराज मणि मंडपम हैं। महान नायकों के विचारों की धरती है। इससे राष्ट्र निर्माण की धरती है।

यहाँ विवेकानन्द शिला स्मारक के साथ ही संत तिरुललूलूवर की विशाल प्रतिमा, गांधी मंडपम और कामाराज मणि मंडपम हैं। महान नायकों के विचारों की धरती है। इससे राष्ट्र निर्माण की धरती है।

यहाँ विवेकानन्द शिला स्मारक के साथ ही संत तिरुललूलूवर की विशाल प्रतिमा, गांधी मंडपम और कामाराज मणि मंडपम हैं। महान नायकों के विचारों की धरती है। इससे राष्ट्र निर्माण की धरती है।

यहाँ विवेकानन्द शिला स्मारक के साथ ही संत तिरुललूलूवर की विशाल प्रतिमा, गांधी मंडपम और कामाराज मणि मंडपम हैं। महान नायकों के विचारों की धरती है। इससे राष्ट्र निर्माण की धरती है।

यहाँ विवेकानन्द शिला स्मारक के साथ ही संत तिरुललूलूवर की विशाल प्रतिमा, गांधी मंडपम और कामाराज मणि मंडपम हैं। महान नायकों के विचारों की धरती है। इससे राष्ट्र निर्माण की धरती है।

यहाँ विवेकानन्द शिला स्मारक के साथ ही संत तिरुललूलूवर की विशाल प्रतिमा, गांधी मंडपम और कामाराज मणि मंडपम हैं। महान नायकों के विचारों की धरती है। इससे राष्ट्र निर्माण की धरती है।

यहाँ विवेकानन्द शिला स्मारक के साथ ही संत तिरुललूलूवर की विशाल प्रतिमा, गांधी मंडपम और कामाराज मणि मंडपम हैं। महान नायकों के विचारों की धरती है। इससे राष्ट्र निर्माण की धरती है।

यहाँ विवेकानन्द शिला स्मारक के साथ ही संत तिरुललूलूवर की विशाल प्रतिमा, गांधी मंडपम और कामाराज मणि मंडपम हैं। महान नायकों के विचारों की धरती है। इससे राष्ट्र निर्माण की धरती है।

यहाँ विवेकानन्द शिला स्मारक के साथ ही संत तिरुललूलूवर की विशाल प्रतिमा, गांधी मंडपम और कामाराज मणि मंडपम हैं। महान नायकों के विचारों की धरती है। इससे राष्ट्र निर्माण की धरती है।

यहाँ विवेकानन्द शिला स्मारक के साथ ही संत तिरुललूलूवर की विशाल प्रतिमा, गांधी मंडपम और कामाराज मणि मंडपम हैं। महान नायकों के विचारों की धरती है। इससे राष्ट्र निर्माण की धरती है।

यहाँ विवेकानन्द शिला स्मारक के साथ ही संत तिरुललूलूवर की विशाल प्रतिमा, गांधी मंडपम और कामाराज मणि मंडपम हैं। महान नायकों के विचारों की धरती है। इससे राष्ट्र निर्माण की धरती है।</

